BSES

अर्थ आवरः 23 मार्च को एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण ऑफ रखें

- इस शनिवार रात 8:30 से 9:30 के बीच दुनियाभर में मनाया जाएगा अर्थ आवर

नई दिल्लीः 19 मार्च, 2013। बीएसईएस ने अपने 28 लाख उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे शनिवार, 23 मार्च को अर्थ आवर मनाएं और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व दफ्तरों की गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी दिल्ली में 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी। इस बार, अर्थ आवर का पार्टनर स्टेट है दिल्ली।

दुनिया के 130 देशों के 6000 शहरों में इस शनिवार, भारतीय समय के मुताबिक रात 8.30 बजे से 9.30 बजे के बीच अर्थ आवर मनाया जाएगा। दिल्ली के अलावा, मुंबई, लॉस एंजेल्स, लंदन, हॉन्ग कॉन्ग, सिडनी, रोम, मनीला, सिंगापुर और दुबई जैसे शहर में अर्थ आवर में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

अर्थ आवर, डब्लूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का वार्षिक कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों व ऑफिसों में गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें। पिछले कुछ सालों से बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं के बीच बड़े पैमाने पर अर्थ आवर को प्रमोट करती आ रही है। इसी का नतीजा है कि बीएसईएस के कूल आइडिया मुहिम में कई उपभोक्ताओं ने हर महीने अर्थ आवर मनाने का सुझाव दिया है।

पिछले कुछ सालों से, दिल्ली अर्थ आवर के दौरान सर्वाधिक बिजली बचाती आ रही है। पिछले साल दिल्ली को *अर्थ आवर चैंपियन सिटी* घोषित किया गया था। 2012 में अर्थ आवर के दिन बड़े शहरों के बीच एक प्रतियोगिता रखी गई थी, जिसमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नै, हैदराबाद और बेंगलुरू ने हिस्सा लिया था। दिल्ली उसमें चैंपियन सिटी साबित हुई थी। पिछले साल अर्थ आवर के दौरान, दिल्ली में करीब 295 मेगावॉट बिजली की बचत की थी।

अर्थ आवर मुहिम को सफल बनाने के लिए बीएसईएस तमाम कोशिशें कर रही है। कंपनी ने बिजली बिलों के साथ भेजे गए न्यूज लेटर *सिनर्जी* के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं से अर्थ आवर में सहयोग देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ आवर से संबंधित एसएमएस भेजे जा रहे हैं। ईमेल के माध्यम से भी अर्थ आवर का संदेश फैलाने की कोशिश की जा रही है। अपने ऑफिसों में बीएसईएस ने अर्थ आवर से संधित पर्चे व पोस्टर आदि लगाए हैं, ताकि लोगों के बीच जागरूकता फैले। बीएसईएस ने अपने सभी कंप्यूटर–डेस्कटॉप पर अर्थ आवर का मैसेज डाला है। बीआरपीएल/वीवाईपीएल कॉल सेंटरों पर भी अर्थ आवर के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। साथ ही, बीएसईएस वेबसाइट व इंट्रानेट पर अर्थ आवर से संबंधित अपील की गई है। बीएसईएस वेबसाइट पर अब तक 77 लाख से भी अधिक लोगों ने विजिट किया है।

दिल्ली के लिए अर्थ आवर की मुहिम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले साल दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 5642 मेगावॉट पहुंच गई थी, जो किसी भी भारतीय शहर के मुकाबले बहुत ज्यादा था। यहां तक कि मुबई में पीक डिमांड 3325 मेगावॉट थी, और बेंगलुरू में 2300 मेगावॉट।

बीवाईपीएल ने ऊर्जा संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पूर्वी और मध्य दिल्ली के 150 स्कूलों में इस सिलसिले में अभियान चलाया है। कई स्कूलों में रीप सिस्टम भी लगाए गए हैं। रीप एक ऐसा अनोखा सिस्टम है, जो बिजली के बगैर ही भूजल या पाइपलाइन के पानी को आपके टैंकों तक पहुंचा देता है। यह सौर ऊर्जा से चलने वाला सिस्टम है, जो पानी को 90 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचा सकता है। बीवाईपीएल ने अपने कई ऑफिसों की छतों पर सफेद पेंट करवाया है। सफेद पेंट छत की गर्मी को, अंदर ऑफिस में पहुंचने से रोकता है, जिससे एसी को कम मेहनत करनी पड़ती है। यानी, सफेद पेंट की वजह से बीवाईपीएल ऑफिसों के एयर कंडीशनर्स बिजली कम काफी कम खपत करते हैं। इसके अलावा, बीवाईपीएल ने माय कूल आइडियाज का दूसरा चरण भी शुरू किया है, जिसमें उपभोक्ताओं से बिजली की खपत कम करने के बारे में सुझाव मांगे गए हैं। बीवाईपीएल ने ऊर्जा संरक्षण पर एक फिल्म *जहीरा का सपना* भी बनाई है, जिसे स्कूलों में बच्चों व शिक्षकों को दिखाया जा रहा है। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी बिजली बचत के संदेश फैलाए जा रहे हैं।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन के मुताबिक– बीवाईपीएल अपने कार्यकलापों में पर्यावरण को खास महत्व देती रही है, क्योंकि हम महसूस करते हैं कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय हैं। अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण के लिए हमने रीप सिस्टम शुरू किया है, जो परंपरागत ऊर्जा पर हमारी निर्भरता को कम करेगा।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के अनुसार– हमें स्वच्छ, प्रभावी और सस्ते ऊर्जा विकल्पों के बारे में सोचना होगा। अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

बीएसईएस ऊर्जा संरक्षण पर हमेशा खास ध्यान देती है। समाज के सभी वर्गों के लोगों और स्टेक होल्डरों को बिजली बचत की जरूरत के बारे में कंपनी जागरूक कर रही है। हाल के दिनों में, इस क्रम में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग पोर्ट लगाए गए हैं, स्कूलों में बिजली ज्ञान अभियान का दूसरा चरण शुरू किया गया है और एलईडी जैसे उत्पाद काफी कम कीमतों पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।